अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

प्रथम वर्ष कला [FYBA]

सामान्य हिंदी [HINDI GENERAL]

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
I	HIN 1101	सामान्य हिंदी	03
II	HIN 1201	सामान्य हिंदी	03

प्रथम वर्ष कला [FYBA]

SEMISTER – I/II

सामान्य हिंदी

HINDI GENERAL

PAPER CODE : HIN 1101/HIN 1201

उद्देश्य :

1) छात्रों को हिंदी के गद्य एवं पद्य के प्रतिनिधि रचनाकारों का परिचय देना।
2) हिंदी साहित्य के प्रति छात्रों की रूचि बढाना तथा साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
3) छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित करना।
4) कहानी, कविता, एकांकी, साक्षात्कार, रेखाचित्र आदि विधाओं के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास कराना।
5) राष्ट्रीय ऐक्य, सामाजिक उत्तरदायित्व, वैज्ञानिकता आदि मूल्यों के प्रति छात्रों का ध्यान आकर्षित करना।
6) छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य, सामाजिक मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण कराना।
7) छात्रों को मानक लिपि एवं भाषा का महत्व स्पष्ट करना।
8) छात्रों की सर्जनात्मक शक्ति का विकास कराना।
9) छात्रों में राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार–प्रसार करना।
10) छात्रों में लेखन, वाचन, संवाद, भाषण आदि भाषिक कौशलों का विकास करना।
11) छात्रों को कम्प्यूटर में प्रयुक्त हिंदी भाषा से परिचय कराना।
12) छात्रों को सूत्रसंचलन, उद्घोषक आदि से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

1) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2) सस्वर काव्य पाठ। प्रकट वाचन।
3) नाट्य वाचन।
4) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
5) दृक–श्राव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।
6) पी.पी.टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
7) विशेषज्ञों के व्याख्यान।

पाठ्य पुस्तकें :

1) गद्य वैभव – संपादक : डॉ. राजेंद्र खैरनार
प्रकाशक : स्नेहवर्धन प्रकाशन, सदाशिव पेठ, पुणे

2) काव्य सरिता – संपादक : डॉ. सुरेश साळुंके
प्रकाशक : स्नेहवर्धन प्रकाशन, सदाशिव पेठ, पुणे

पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र [SEMISTER – I]

PAPER CODE : HIN 1101

इकाई नं	पाठ्यविषय :	क्रेडिट	तासिकाएँ
1) गद्य	1) पंच परमेश्वर (कहानी) – प्रेमचंद 2) हार की जीत (कहानी) – सुदर्शन 3) पंचलाइट (कहानी) – फणीश्वरनाथ रेणु 4) सुभान खाँ (रेखाचित्र) – रामवृक्ष बेनीपुरी 5) भगत की गत (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई	01	16
2) पद्य	1) दोनों ओर प्रेम पलता है – मैथिलीशरण गुप्त 2) स्नेह निर्झर बह गया – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला 3) ठुकरा दो या प्यार करो – सुभद्राकुमारी चौहान 4) पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी 5) हो गई है पीर (गज़ल) – दुष्यंतकुमार	01	16
3) पाठ्य–पुस्तकेतर पाठ्यक्रम	हिंदी भाषिक कौशल से परिचय 1) लेखन कौशल (1 से 100 तक अंक, वाक्य शुद्धिकरण) (वचन, लिंग, पदक्रम, वर्तनी आदि) 2) वाचन कौशल (गद्य एवं काव्य वाचन) 3) सूत्रसंचलन – स्वरूप, कार्यक्रम की रूपरेखा, विषय, समय तथा स्थिति/प्रसंग के अनुसार सूत्रसंचलन, भाषिक कौशल, समय सूचकता आदि।	01	16

द्वितीय सत्र [SEMISTER – II]
PAPER CODE : HIN 1201

इकाई नं	पाठ्यविषय :	क्रेडिट	तासिकाएँ
1) गद्य	1) सुख (कहानी) – काशीनाथ सिंह 2) वही की वही बात (कहानी) – रमेश बक्षी 3) महाशूद्र (कहानी) – मोहनदास नैमिशराय 4) बहू की विदा (एकांकी) – विनोद रस्तोगी 5) कथाकार उदयप्रकाश से बातचीत (साक्षात्कार) – सुभाषचंद्र मौर्य	01	16
2) पद्य	1) जो बीत गई – हरिवंशराय बच्चन 2) अकाल और उसके बाद – नागार्जुन 3) टूटा पहिया – धर्मवीर भारती 4) जो शिलाएँ तोड़ते हैं – केदारनाथ अग्रवाल 5) आँखों से सिर्फ (गज़ल) – जहीर कुरेशी	01	16
3) पाठ्य–पुस्तकेतर पाठ्यक्रम	हिंदी भाषिक कौशल से परिचय 1) संवाद कौशल – अर्थ, स्वरूप और कौशल, विचार, भाव तथा भाषा का समनवय, गुट चर्चा, फिल्म आदि के संवाद) 2) भाषण कौशल – स्वरूप और प्रकार, भाषणकर्ता के गुण – अभिव्यक्ति, प्रस्तुतिकरण, भाषा तथा विषय का ज्ञान, श्रोता का ज्ञान, स्थान और समय का ज्ञान 3) कम्प्यूटर में प्रयुक्त हिंदी भाषा – लिपि, सॉफ्ट–वेअर, टायपिंग, ईमेल लेखन, आदि की जानकारी	01	16

संदर्भ ग्रंथ :

1) हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश, सुमित प्रकाशन
2) हिंदी कहानी अंतरंग पहचान – डॉ. रामदरश मिश्र
3) व्यावहारिक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4) प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातम आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
5) व्यावहारिक हिंदी व्याकरण – हरदेव बाहरी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6) हिंदी भाषा एवं व्याकरण – डॉ. मायाप्रकाश पांडेय, चिंतन प्रकाशन, कानपुर

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

प्रथम वर्ष वाणिज्य [FYBCom]

सामान्य हिंदी [HINDI GENERAL]

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
I	HIN	सामान्य हिंदी	03
II	HIN	सामान्य हिंदी	03

प्रथम वर्ष कला [FYBCom]

SEMISTER – I/II

सामान्य हिंदी

HINDI GENERAL

PAPER CODE : HIN /HIN

उद्देश्य :

१. छात्रों मे राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के प्रति अभिरुचि संवर्धित करना ।

२. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कहानिकारों एवं कवियों से परिचित कराना ।

३. छात्रों को काव्य के भाव एवं शिल्पगत सौंदर्य का आस्वाद कराना ।

४. छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन लेखन की क्षमताओं को विकसित करना ।

५. छात्रों को हिंदी शुद्धलेखन की नियमावली का ज्ञान देकर अशुद्धियों के प्रति सचेत करना ।

६. छात्रों को विविध कार्यालयों तथा बैंक, डाक, रेल में प्रयुक्त हिंदी से परिचित कराना।

७. छात्रों में व्यावसायिक तथा कार्यालयीन पत्र लेखन की क्षमता विकसित करना ।

८. छात्रों को ई–मेल के संदर्भ में जानकारी देना ।

९. छात्रों को हिंदी में अहवाल लेखन के संदर्भ में परिचित कराना ।

१०. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना ।

अध्यापन पद्धति :

१. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।

२. भाव के अनुसार गदय तथा पदय का पठन ।

३. पाठयपुस्तकेतर पाठयक्रम पर आधारित प्रात्यक्षिक ।

४. विषय विषशज्ञों के व्याख्यान ।

५. दृक–श्रव्य साधनों का प्रयोग ।

६. ICT का प्रयोग

पाठ्यपुस्तकें :

१. गद्य परिमल – संपादक : डॉ. सुभाष तळेकर, डॉ. रामचंद्र साळुंके
प्रकाशक – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

२. पद्य परिमल – संपादक : डॉ. सुभाष तळेकर, डॉ. रामचंद्र साळुंके
प्रकाशक – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पाठ्यक्रम
प्रथम सत्र [SEMISTER – I]
PAPER CODE : HIN 1101

इकाई नं	पाठ्यविषय :	क्रेडिट	तासिकाएँ
1) गद्य	1) परीक्षा (कहानी) – प्रेमचंद 2) हार की जीत (कहानी) – सुदर्शन 3) पिता – ज्ञानरंजन 4) प्रेम की बिरादरी (व्यंग्य) – हरीशंकर परसाई 5) समय नहीं मिला – श्रीमन्नारायण अग्रवाल	01	16
2) पद्य	1) मुकरी – भारतेंदु हरिश्चंद्र 2) एक बूंद – आयोध्यासिंह उपाध्याय 3) मेरा जीवन – सुभद्राकुमारी चौहान 4) प्रार्थना मत कर – हरीवंशराय बच्चन 5) कलम और तलवार – रामधारी सिंह 'दिनकर'	01	16
3) पाठ्य–पुस्तकेतर पाठ्यक्रम	अ) पत्राचार 1) व्यावसायिक पत्र (मांग पत्र, एजेंसी के लिए पत्र) 2) बैंकिंग पत्र (ऋण लेने, खाता खोलने के लिए पत्र) 3) ई–मेल लेखन ब) बैंक, रेल, डाक विभाग से संबधित विभिन्न पर्चीयों की जानकारी और प्रात्यक्षिक कार्य।	01	16

द्वितीय सत्र [SEMISTER – II]

PAPER CODE : HIN

इकाई नं	पाठ्यविषय :	क्रेडिट	तासिकाएँ
1) गद्य	1) पहली चूक (व्यंग निबंध) – श्रीलाल शुक्ल 2) वैश्विक गांव के व्यापारी (कहानी) – ज्ञान चतुर्वेदी 3) महाशूद्र (कहानी) – मोहनदास नैमिशराय 4) अग्निपथ (कहानी) – मालती जोशी 5) प्रश्नयुग – रमेश दवे	01	16
2) पद्य	1) जो लक्ष्य है मिलेगा – गिरिराजशरण अग्रवाल 2) वृंदावन – कुसुम अंसल 3) एक बार फिर आओ – जयप्रकाश कर्दम 4) गुडाई करते समय – एकांत श्रीवास्तव 5) मनुष्यता – अलीक	01	16
3) पाठ्य–पुस्तकेतर पाठ्यक्रम	अ) विज्ञापन लेखन ब) वृत्तांत लेखन (महाविद्यालय समारोह, सामाजिक समारोह, प्राकृतिक आपदाएँ, दुघर्टनाएँ) क) कार्यक्रम संयोजन कौशल – प्रस्तावना, स्वागत, अतिथि परिचय, आभार ज्ञापन, (प्रात्यक्षिक कार्य)	01	16

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्यिक विधाएँ : सैद्धांतिक पक्ष – डॉ. मधु धवन

२. समकालीन हिंदी कहानी का इतिहास – डॉ. अशोक भाटिया

३. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

४. व्यावहारिक हिंदी – कैलाशचंद्र भाटिया

५. व्यावहारिक हिंदी – ओमप्रकाश पांडेय

६. दलित साहित्य एक मूल्यांकन – प्रो. चमनलाल

७. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी भाषा – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया / रचना भाटिया

८. भाषा के विविध रूप और अनुवाद – प्रो. कृष्णकुमार गोसावी

९. हिंदी और उसका व्यवहार – डॉ. वसंत मोरे

१०. हिंदी कहानी अंतरंग पहचान – डॉ. रामदरश मिश्र

११. हिंदी कहानी : संरचना और संवेदना – डॉ. साधना शाह

१२. दलित चेतना की कहानियाँ – बदलती परिभाषाएँ – राजमणि शर्मा

१३. समकालीन कहानी का समाजशास्त्र – देवेंद्र चौबे

१४. नये कवि एक अध्ययन – डॉ. संतोषकुमार तिवारी

१५. साठोत्तरी हिंदी कहानियों में पुरूष चरित्र – डॉ. दीपा मैलारे

१६. राजभाषा हिंदी का प्रयुक्तिपरक विष्लेषण – डॉ. सुषमा कोंडे

१७. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातम आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख

१८. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. मधुकर राठोड

१९. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. गोरख थोरात

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती
(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–1) हिंदी [M.A. - I]

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
I	**HIN 4101**	प्रश्नपत्र–1 विशेष स्तर : प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (अमीर खुसरो तथा जायसी)	**04**
II	**HIN 4201**	प्रश्नपत्र–5 विशेष स्तर : मध्ययुगीन हिंदी काव्य (सूरदास, बिहारी और भूषण)	**04**

प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र 1 : सामान्य स्तर

प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य

(अमीर खुसरो तथा जायसी)

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

उद्देश्य :

1. हिंदी साहित्य की आदिकालीन तथा भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना ।
2. छात्रों को प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य–कृतियों का परिचय कराना।
3. प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों की काव्य कला से छात्रों को अवगत कराना।
4. छात्रों को हिंदी की प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य परंपरा से परिचित कराना।
5. छात्रों को प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी भाषा से अवगत कराना।
6. छात्रों में प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य अध्ययन के माध्यम से समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. पी. पी. टी. /भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।
6. अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

अ) अमीर खुसरो – श्रेयांक/कर्मांक = 02

आ) जायसी – श्रेयांक/कर्मांक = 02

(प्रत्येक प्रश्नपत्र के श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट = 04)

पाठ्यपुस्तकें :

1) अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य

संपादक : डॉ. भोलानाथ तिवारी

प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन, आसफ अली रोड,

नई दिल्ली – 110 002

ससंदर्भ व्याख्या के लिए रचनाएँ :

अ) पहेलियाँ

1. अंतर्लिपिका – 1, 4, 12, 15, 17, = 05

2. बहिर्लिपिका – 13, 18, 20, 21, 23 = 05

आ) मुकरियाँ – 7, 9, 11, 15, 19, = 05

इ) गीत – 2, 5, 7 = 03

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट – 01)

2) पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी

संपादक : वासुदेवशरण अग्रवाल

प्रकाशक : साहित्य सदन, चिरगाँव झाँसी

ससंदर्भ व्याख्या के लिए खंड :

1)नागमति वियोग खंड

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

अध्ययनार्थ विषय :

1. अमीर खुसरो–व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. अमीर खुसरो के गीतों में संवेदनशीलता
3. अमीर खुसरो की पहेलियों में लोकरंजकता
4. अमीर खुसरो का खड़ीबोली हिंदी के विकास में योगदान
5. अमीर खुसरो की भाषा तथा काव्य कला
6. अमीर खुसरो के काव्य की देन

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

7.जायसी व्यक्तित्व एवं कृतित्व
8.पद्मावत में प्रेम भाव
9.पद्मावत में सौंदर्य वर्णन
10.पद्मावत में विरह वर्णन
11.पद्मावत में प्रकृति चित्रण
12.पद्मावत में चरित्र–चित्रण
13.पद्मावत की महाकाव्यात्मकता

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. अमीर खुसरो – डॉ. हरदेव बाहरी
2. खुसरो की हिंदी कविता– ब्रजरत्न दास
3. जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन – प्रो. हरेंद्रप्रताप सिन्हा
4. महाकवि जायसी और उनका काव्य – डॉ. इकबाल अहमद
5. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ. शिवसहाय पाठक
6. जायसी पद्मावत काव्य और दर्शन – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
7. पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
8. पद्मावत का काव्य सौंदर्य – डॉ. चंद्रबली पाण्डेय
9. हिंदी के प्रतिनिधि कवि – डॉ. सुरेश अग्रवाल

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–1) हिंदी [M.A. - I]

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
I	**HIN 4102**	प्रश्नपत्र–2 विशेष स्तर : आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)	**04**
II	**HIN 4202**	प्रश्नपत्र–6 विशेष स्तर : हिंदी नाटक विधा	**04**

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–1) हिंदी [M.A. - I]

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
I	HIN 4102	प्रश्नपत्र–2 विशेष स्तर : आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)	04
II	HIN 4202	हिंदी नाटक विधा	04

प्रश्नपत्र 2 : विशेष स्तर

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

(उपन्यास और कहानी)

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कमांक/क्रेडिट= 04)

उद्देश्य :

1. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
2. प्रमुख गद्य विधाओं के विकासक्रम की जानकारी देना।
3. विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
4. रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

पाठ्यपुस्तकें :

1) उपन्यास – 'छप्पर' : डॉ. जयप्रकाश कर्दम

प्रकाशक : राधाकृष्ण प्रकाशन, जी–17, जगत पुरी, दिल्ली – 92

2) हिंदी की श्रेष्ठ कहानियाँ

संपादक – डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. विठ्ठलसिंह ढाकरे

प्रकाशक : अरुणोदय प्रकाशन, 21–ए अंसारी रोड़, दरियागंज, नई दिल्ली– 02

(प्रत्येक प्रश्नपत्र के श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट = 04)

अध्ययनार्थ विषय :

1. हिंदी उपन्यास विधा का विकास
2. दलित उपन्यास का सामान्य परिचय
3. विवेच्य रचनाकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
4. 'छप्पर' : तात्विक विवेचन

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

5. 'छप्पर' : संवेदनाएँ
6. 'छप्पर' : विभिन्न समस्याएँ
7. 'छप्पर' : पात्रों का चरित्रचित्रण
8. 'छप्पर' : शिल्प पक्ष
9. 'छप्पर' : शीर्षक की सार्थकता

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

अध्ययनार्थ विषय :

1. हिंदी कहानी विधा का विकास
2. कहानी विधा के तत्व तथा आलोचना :

हिंदी की श्रेष्ठ कहानियों के संदर्भ में

हिंदी की श्रेष्ठ कहानियाँ

1. 'पुरस्कार' – जयशंकर प्रसाद
2. 'उसकी माँ'– पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'
3. 'हंसा जाई अकेला' – मार्कण्डेय

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

4. 'वह क्या था ?' – हरिशंकर परसाई
5. 'सज़ा' – मन्नू भंडारी
6. 'वह मैं ही थी' – मृदला गर्ग
7. 'लिटरेचर' – संजीव
8. 'मुंबई कांड' – ओमप्रकाश वाल्मीकि

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. अट्ठारह उपन्यास : राजेंद्र यादव
2. हिंदी उपन्यास : सौ वर्ष – संपा. रामदरश मिश्र
3. समकालीन हिंदी उपन्यास – डॉ. विवेकी राय
4. उपन्यास : स्थिति और गति – डॉ. चंद्रेकांत बांदिवडेकर
5. आज का हिंदी उपन्यास – डॉ. इंद्रनाथ मदान
6. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यासों की शिल्पविधि : डॉ. सत्यपाल चुघ
7. नई कहानी का स्वरूप विवेचन – डॉ. इंदु रश्मि
8. नई कहानी के विविध प्रयोग – शषिभूषण पाण्डेय शीतांषु
9. समकालीन हिंदी कहानी – डॉ. पुष्पपाल सिंह
10. नई कहानीं की भूमिका – कमलेश्वर
11. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी
12. भीष्म साहनी के साहित्य का अनुशीलन– डॉ. सुरेश बाबर
13. उत्तरशती का हिंदी साहित्य– संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन
14. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य – डॉ. राजेंद्र खैरनार
15. हिमांशु जोशी का कथा साहित्य – डॉ. अनिल साळुंखे

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–1) हिंदी [M.A. - I]

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
I	**HIN 4103**	प्रश्नपत्र–3 भारतीय साहित्यशास्त्र	**04**
II	**HIN 4203**	प्रश्नपत्र–7 पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	**04**

प्रश्नपत्र 3 : विशेष स्तर

भारतीय साहित्यशास्त्र

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कमांक/क्रेडिट= 04)

उद्देश्य :

1. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र का परिचय देना।
2. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित कराना।
3. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान कराना।
4. साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से छात्रों को अवगत कराना।
5. छात्रों को साहित्यशास्त्रीय चिंतन से परिचित कराना।
6. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य–वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
7. छात्रों को साहित्यशास्त्रीय समीक्षा का महत्व अवगत कराना।
8. साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. पी. पी. टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

अध्ययनार्थ विषय :

1. रस सिद्धांत :

रस का स्वरूप, भरतमुनि का रससूत्र, रस के अवयव (अंग), रस निष्पत्ति संबंधी भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक तथा अभिनव गुप्त द्वारा की गई व्याख्याओं का विवेचन, साधारणीकरण की अवधारणा, करुण रस का आस्वाद। (तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

2. अलंकार सिद्धांत :

अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा, अलंकार सिद्धांत का स्वरूप, अलंकार और अलंकार्य, अलंकार और रस, काव्य में अलंकार का स्थान। (तासिकाएँ 09 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट –)

+

3. रीति सिद्धांत :

रीति शब्द की व्युत्पत्ति, रीति की परिभाषा, रीति संप्रदाय, रीति भेद, रीति और गुण, रीति और शैली। (तासिकाएँ 06 = 15 घंटे श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट – 01)

4. ध्वनि सिद्धांत :

ध्वनि शब्द की व्युत्पत्ति, ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि और स्फोट सिद्धांत, ध्वनि और शब्द–शक्ति, ध्वनि सिद्धांत का महत्व। (तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट – 01)

5. वक्रोक्ति सिद्धांत :

वक्रोक्ति की परिभाषा, आचार्य कुंतक पूर्व वक्रोक्ति विचार, वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप, वक्रोक्ति के भेदों का सोदाहरण परिचय, वक्रोक्ति का महत्व। (तासिकाएँ 08 घंटे श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट –) +

6. औचित्य सिद्धांत :

औचित्य का स्वरूप, आचार्य क्षेमेन्द्र पूर्व औचित्य विचार, आचार्य क्षेमेन्द्र का औचित्य विचार, औचित्य के भेद, अन्य सिद्धांतों के संदर्भ में औचित्य का महत्व।

(तासिकाएँ 07 = 15 घंटे श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

संदर्भ ग्रंथः

1. काव्यशास्त्र की रूपरेखा– डॉ. रामदास भारद्वाज
2. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. कृष्णदेव शर्मा
3. काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र
4. भारतीय काव्यशास्त्र –डॉ. विजयपाल सिंह
5. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य–चिंतन– डॉ. सभापति मिश्र
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ. बच्चन सिंह
7. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ. सुरेशकुमार जैन. प्रा. महावीर कंड़ारकर
8. साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत– डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
9. रीतिकाव्य की भूमिका– डॉ. नगेंद्र
10. भारतीय काव्यशास्त्र–(खंड़–1 और 2)– आचार्य बलदेव उपाध्याय
11. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
12. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. तेजपाल चौधरी
13. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र– प्रो. हरिमोहन
14. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
15. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. जालिंदर इंगळे
16. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. कृष्णदेव झारी

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–1) हिंदी [M.A. - I]

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
I	**HIN 4104**	प्रश्नपत्र–4 विशेष स्तर : विशेष साहित्यकार : कबीर	**04**
II	**HIN 4204**	प्रश्नपत्र–8 विशेष स्तर : विशेष विधा : हिंदी उपन्यास	**04**

प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र 4 : विशेष स्तर :

विशेष साहित्यकार : कबीर

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट= 04)

उद्देश्य :

1. छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियों (दार्शनिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक) के परिप्रेक्ष्य में कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिंदी को उनके प्रदेय की जानकारी देना।
2. छात्रों को कबीर की काव्यगत शक्ति और सीमाओं से परिचित कराना।
3. छात्रों को कबीर के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग।
4. दोहों और पदों की प्रस्तुति।
5. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

पाठ्यग्रंथ :

कबीर ग्रंथावली – संपादक : श्यामसुंदर दास

प्रकाशक : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

ससंदर्भ व्याख्या के लिए केवल निम्नलिखित छंद :

1. गुरुदेव कौ अंग : 3, 14, 15, 21, 33 = 05
2. विरह कौ अंग : 5, 6, 11, 14, 22 = 05
3. परचा कौ अंग : 17, 21, 35, 39, 45 = 05

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट 01)

4. काल कौ अंग : 1, 13, 14, 15, 20 = 05
5. पद : 1, 11, 55, 92, 111, 117, 180, 331, 338, 402 = 10

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट 01)

अध्ययनार्थ विषय :

1. निर्गुण काव्यधारा के प्रमुख कवि : संत कबीर
2. कबीर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
3. कबीर के धार्मिक विचार
4. कबीर काव्य में विद्रोह
5. समाज सुधारक के रूप में कबीर

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट 01)

6. कबीर का प्रेम तत्व और विरह भावना
7. कबीर का रहस्यवाद
8. कबीर के राम
9. कबीर की दार्शनिकता– ब्रह्म, जीव, माया, जगत, मोक्ष
10. कबीर की उलटबासियॉं और प्रतीक पद्धति
11. कबीर काव्य की प्रासंगिकता

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. कबीरः संपा. विजयेंद्र स्नातक
3. कबीर की विचारधारा : डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
4. कबीर साहित्य की परंपरा : आ. परशुराम चतुर्वेदी
5. कबीर चितंन और सर्जन : संपा. आनंदप्रकाश दीक्षित
6. कबीर : एक विवेचन : डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरुण'
7. नाथ और संत साहित्य : डॉ. नागेंद्रनाथ उपाध्याय
8. हिंदी संतों का उलटबाँसी साहित्य : डॉ. रमेशचंद्र मिश्रा
9. कबीर साधना और साहित्य : डॉ. प्रतापसिंह चौहान
10. कबीर एक अनुशीलन : डॉ. रामकुमार वर्मा
11. युग पुरुष कबीर : रामचंद्र वर्मा

द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र 5 : सामान्य स्तर

मध्ययुगीन हिंदी काव्य

(सूरदास, बिहारी तथा भूषण)

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

उद्देश्य :

1. हिंदी के आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृतियों की जानकारी देना।
2. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना ।
3. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना ।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. अध्ययन यात्रा ।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

पाठ्यपुस्तकें :

1) सूरदास : भ्रमरगीत सार

संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल

प्रकाशक : श्री. गोपालदास पोरवाल, सहित्य सेवा सदन, वाराणसी 1

ससंदर्भ व्याख्या के लिए पद : पदक्रम– 21 से 60 = 20

(तासिकाएँ 11 घंटे)

2) बिहारी रत्नाकर : श्री. जगन्नाथ 'रत्नाकर'

प्रकाशक : प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, सं. – 2006

ससंदर्भ व्याख्या के लिए दोहे : 1, 22, 25, 32, 35, 38, 45, 60, 67, 73, 76, 94, 126, 152, 181, 201, 217, 251, 277, 283, 301, 318, 322, 345, 373, 388, 425, 472, 496, 530,

(तासिकाएँ 11 घंटे)

3) रीतिकाव्य धारा : संपादक : डॉ.रामचंद्र तिवारी /
डॉ.रामफेर त्रिपाठी (तासिकाएँ
प्रकाशक : विश्वविदयालय प्रकाशन, वाराणसी **08 घंटे)**
ससंदर्भ व्याख्या के लिए कवि भूषण के पद : 01 से 10 = 10

(तीनों की कुल तासिकाएँ 11+11+08=30घंटे= श्रेयांक / कर्मांक / केडिट–02)

अध्ययनार्थ कवि :

1) सूरदास
2) बिहारी
3) भूषण

अध्ययनार्थ विषय :

1) सूरदास – व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2) भ्रमरगीत का उद्देश्य
3. सूरदास के काव्य में वियोग वर्णन
4. भ्रमरगीत : एक उपालंभ काव्य **(तासिकाएँ 10 घंटे)**
5. सूर के भ्रमरगीत की विशेषताएँ
6) भ्रमरगीत में प्रकृति चित्रण
7) भ्रमरगीत की काव्यकला
8) सूर की काव्य कला
9) बिहारी व्यक्तित्व एवं कृतित्व
10) रीतिसिद्ध कवि बिहारी
11) बिहारी का श्रृंगार वर्णन–संयोग और वियोग वर्णन
12) बिहारी का सौदर्य चित्रण **(तासिकाएँ 10 घंटे)**
13) बिहारी की बहुज्ञता
14) बिहारी की भक्तिभावना
15) बिहारी की काव्य कला
16) सतसई परंपरा में बिहारी का स्थान

17) भूषण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
18) भूषण के काव्य में वीर रस
19) भूषण के काव्य में राष्ट्रीय चेतना
20) भूषण की काव्य कला
21) भूषण के काव्य की भाषा – शैली
22) रीति काव्य में भूषण का योगदान

(तासिकाएँ 10 घंटे)

(तीनों की कुल तासिकाएँ 10+10+10=30घंटे= श्रेयांक / कर्मांक / केडिट – 02)

संदर्भ ग्रंथ :

1. सूरदास और उनका साहित्य – डॉ. मुंशीराम शर्मा
2. भारतीय साधना और सूर साहित्य – डॉ. हरवंशलाल शर्मा
3. सूर की काव्य कला – मनमोहन गौतम
4. सूर साहित्य – डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. सूर की भाषा – डॉ. प्रेमनारायण टंड़न
6. कृष्णकाव्य और सूर : सांस्कृतिक संदर्भ – डॉ. प्रेमशंकर
7. सूरदास – आ. रामचंद्र शुक्ल
8. सूरदास : एक पुनरावलोकन – डॉ. ओम प्रकाश शर्मा
9. महाकवि सूरदास – आ. नंददुलारे वाजपेजी
10. भ्रमरगीत का काव्य सौदर्य – डॉ. सत्येंद्र पारिख
11. भ्रमरगीत : एक अन्वेषण – डॉ. सत्येंद्र
12. सूर की गोपिका : एक मनोवैज्ञानिक अध्ययन – डॉ. प्रभारानी भाटिया
13. सूरदास – डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा
14. बिहारी का तुलनात्मक अध्ययन – पं. पद्मसिंह शर्मा
15. बिहारी और उनका साहित्य – डॉ. हरवंशलाल शर्मा / डॉ. परमानंद शास्त्री
16. बिहारी काव्य का मूल्यांकन – किशोरी लाल
17. षट्कवि : विवेचनात्मक अध्ययन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
18. सूर की मौलिकता – डॉ. वेदप्रकाश शास्त्री
19. हिंदी के प्राचीन कवि – डॉ. दयानंद शर्मा

प्रश्नपत्र 6 : विशेष स्तर

हिंदी नाटक विधा

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट= 04)

उद्देश्य :

1. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
2. प्रमुख गद्य विधाओं के विकास क्रम की जानकारी देना।
3. विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
4. रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक् –श्राव्य माध्यमों /साधनों का प्रयोग ।
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

पाठ्य पुस्तकें :

1. नाटक : 'अभंग गाथा' – नरेंद्र मोहन
   प्रकाशक : जगतराम एण्ड सन्स् , 24 /4855
   अन्सारी रोड, दरियागंज ,नई दिल्ली –110002
   (तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट 01)
2. 'आषाढ़ का एक दिन'– मोहन राकेश
   प्रकाशक : राजपाल एण्ड सन्ज,
   कश्मीरी गेट प्रकाशन, दिल्ली –110006
   (तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट 01)

अध्ययनार्थ विषय :

1. हिंदी नाटक विधा का विकास ।
2. नाटक : परिभाषा, स्वरूप तथा तत्व।
3. नरेंद्र मोहन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
4. तत्वों के आधार पर 'अभंग गाथा' नाटक की समीक्षा।
5. 'अभंग गाथा' : चित्रित समस्याएँ।
6. 'अभंग गाथा' : शिल्पगत विशेषताएँ।
7. 'अभंग गाथा' नाटक की प्रासंगिकता।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट 01)

8. 'अभंग गाथा' नाटक के आधार पर संत तुकाराम के विचार।
9. मोहन राकेश : व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
10. तत्वों के आधार पर 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की समीक्षा।
11. 'आषाढ़ का एक दिन' : चित्रित समस्याएँ।
12. 'आषाढ़ का एक दिन' : शिल्पगत विशेषताएँ।
13. 'आषाढ़ का एक दिन' : शीर्षक की सार्थकता।
14. 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की प्रासंगिकता।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी रंगकर्म : दशा और दिशा – डॉ. जयदेव जनेजा
2. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच – डॉ. जयदेव तनेजा
3. समसामयिक हिंदी नाटकों में खंडित व्यक्तित्व अंकन – डॉ. टी. आर. पाटील
4. आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता – डॉ. सत्यवती त्रिपाठी
5. हिंदी नाटक : आज–कल – डॉ. जयदेव तनेजा
6. सातवें दशक के प्रतीकात्मक नाटक – रमेश गौतम
7. युगबोध और हिंदी नाटक – डॉ. सरिता वशिष्ठ
8. नव्य हिंदी नाटक – डॉ. सावित्री स्वरूप
9. उत्तरशती का हिंदी साहित्य : संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन
10. तुका म्हणे, भाग 1 और 2 (मराठी)– डॉ. दिलीप धोंडगे

द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र 7 : विशेष स्तर

पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट = 04)

उद्देश्य :

1. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का परिचय देना ।
2. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना ।
3. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान कराना ।
4. छात्रों को साहित्यशास्त्रीय समीक्षा का महत्व अवगत कराना।
5. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतो में साम्य–वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान करना ।
6. छात्रों को नई समीक्षा के सिद्धांतो का ज्ञान कराना ।
7. छात्रों को आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचय देना ।
8. साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के द्वारा छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों/साधनों का प्रयोग ।
4. पी. पी. टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग कराना।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

अध्ययनार्थ विषय :

1. प्लेटो :
   काव्य सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत
2. अरस्तू के काव्य सिद्धांत :
   क) अनुकरण सिद्धांत : अनुकरण सिद्धांत की व्याख्या, प्लेटो और अरस्तू के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना।
   ख) विरेचन सिद्धांत : स्वरूप विवेचन, विरेचन का महत्व, त्रासदी विवेचन ।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक क्रेडिट– 01)

3. उदात्त सिद्धांत :
   उदात्त की व्याख्या, उदात्त के अंतरंग तथा बहिरंग तत्व, काव्य में उदात्त का महत्व, लोंजाइनस का योगदान ।

(तासिकाएँ 05 घंटे

+

4. आई. ए. रिचर्डस् का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत : काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या, संप्रेषण सिद्धांत की परिभाषा और स्वरूप, संप्रेषण सिद्धांत का महत्व, आई. ए. रिचर्डस् का योगदान।

तासिकाएँ 10 घंटे = 15 घंटे श्रेयांक / कर्मांक क्रेडिट– 01)

5. इलियट का निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत : इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी अवधारणा, वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत, इलियट का योगदान।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट–01)

6. विविध वाद सामान्य परिचय :
   क) प्रतीकवाद, बिंबवाद, अभिव्यंजनावाद, अस्तित्ववाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, विखंड़नवाद, उत्तरआधुनिकता – (केवल स्वरूप विवेचन तथा महत्व)

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. अरस्तू का काव्यशास्त्र – डॉ. नगेंद्र
2. समीक्षालोक – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. कृष्णदेव शर्मा
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. शांतिस्वरुप गुप्त
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ – डॉ. सत्यदेव मिश्र
7. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांतः एक विश्लेषण – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
8. आलोचना के आधुनिकतावाद और नई समीक्षा – डॉ. शिवकरण सिंह
9. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद – सुधीश पचौरी
10. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श – सुधीश पचौरी
11. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार – संपा. देवीशंकर नवीन, सुशांतकुमार मिश्र
12. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ. बच्चनसिंह
13. पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिंदी पर उसका प्रभाव – डॉ. रवींद्रसहाय वर्मा
14. हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास – डॉ. भगवत्स्वरूप मिश्र
15. आधुनिक समीक्षा – डॉ. भगवत्स्वरूप मिश्र
16. तुलनात्मक साहित्यशास्त्र – डॉ. विष्णुदत्त राकेश
17. हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार – डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. मैथिलीप्रसाद भारद्‌वाज
19. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. भगवत्स्वरूप मिश्र
20. साहित्य : विविध वाद – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र 8 : विशेष स्तर :

विशेष विधा : हिंदी उपन्यास

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

उद्देश्य :

1. छात्रों को उपन्यास विधा का तात्विक परिचय देना।
2. हिंदी विधा के विकास की जानकारी देना ।
3. हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।
4. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय देना।
5. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त जीवन विषयक दृष्टिकोण का मूल्यांकन कराना।
6. उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलनात्मक परिचय देना।
7. छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढ़ाना।
8. उपन्यास विधा की ओर सर्जक, समीक्षा, अनुवाद एवं शोध की दृष्टि से छात्रों को प्रेरित करना, आदि।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य साधनों/ माध्यमों का प्रयोग।
4. पी. पी. टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
5. विशेषज्ञों के व्याख्यान।
6. अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

विशेष अध्ययन के लिए उपन्यास :

1. गोदान–प्रेमचंद

    प्रकाशक – राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., 1 बी,

    नेताजी सुभाष मार्ग दरियागंज, नई दिल्ली.

3. अलग अलग वैतरणी – शिवप्रसाद सिंह

    प्रकाशक – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4. परिशिष्ट–गिरिराज किशोर

    प्रकाशक–राजकमल प्रका. प्रा. लि., 1 बी,

    नेताजी सुभाष मार्ग दरियागंज, नई दिल्ली.

(तासिकाएँ 10 घंटे + तासिकाएँ 10 घंटे + तासिकाएँ 10 घंटे = 30 घंटे श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 02)

अध्ययनार्थ विषय :

1. उपन्यास की परिभाषा, स्वरूप तथा उपन्यास के तत्व।
2. हिंदी उपन्यास का विकासक्रम–प्रेमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंदयुगीन उपन्यास, प्रेमचंदोत्तर उपन्यास।
3. हिंदी उपन्यासों की प्रवृत्तियाँ–सामाजिक, तिलस्मी, जासूसी, राजनीतिक, आँचलिक, ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक, जीवनीपरक उपन्यास आदि का अध्ययन।
4. उपन्यासों में भाव पक्ष तथा कला पक्ष का महत्व।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट – 01)

5. उपन्यास की विविध शैलियों का अध्ययन–वर्णनात्मक, डायरी, आत्मकथात्मक, पूर्वदीप्ति, चेतनाप्रवाही, संवादात्मक, पत्रात्मक, आदि।
6. गोदान, अलग–अलग वैतरणी, परिशिष्ट उपन्यासों का भाव पक्ष तथा कला पक्ष।
7. गोदान, अलग–अलग वैतरणी और परिशिष्ट उपन्यास के प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण।
8. गोदान, अलग–अलग वैतरणी और परिशिष्ट उपन्यासों का विशेष अध्ययन।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट – 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचंद्र तिवारी
2. उपन्यास स्थिति और गति – डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
3. उपन्यास का काव्यशास्त्र – डॉ. बच्चन सिंह
4. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना – राजेंद यादव
5. भगवतीचरण वर्मा के उपन्यासों में चित्रित समाज जीवन – डॉ. विनय चौधरी
6. शिवप्रसाद सिंह का उपन्यास साहित्य – डॉ. राजेन्द्र खैरनार
7. महाकाव्यात्मक उपन्यासों की शिल्पविधि – डॉ. शंकर मुदगल
8. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य – डॉ. राजेंद्र खैरनार
9. श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों का शिल्प विधान – डॉ. पी. व्ही. कोटमे
10. गिरिराज किशोर का उपन्यास साहित्य एक अनुशीलन – डॉ. सुरेश साळुंके
11. हिंदी साहित्य नए क्षितिज – डॉ. शशिभूषण सिंहल
12. हिंदी उपन्यास समकालीन विमर्श – डॉ. सत्यदेव त्रिपाठी
13. समकालीन हिंदी उपन्यास : वर्ग एवं वर्ण संघर्ष–डॉ. जालिंदर इंगले
14. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास : नए मूल्य – शशिगुप्ता
15. प्रेमचंद का सौंदर्यशास्त्र – संपा. नंदकिशोर नवल
16. अंबेडकरवादी चिंतन और दलित उपन्यास : डॉ. प्रदीप सरवदे
17. प्रेमचंद के उपन्यास : कथासंरचना – डॉ. मीनाक्षी श्रीवास्तव
18. शिवप्रसाद सिंह के कथा साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. टी. मीनाकुमारी
19. हिंदी के आँचलिक उपन्यासों में दलित जीवन –डॉ. भरतसगरे
20. हिंदी उपन्यास सृजन और सिद्धांत – नरेंद्र कोहली
21. हिंदी उपन्यासों की दिशाएँ – डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ
22. गोदान : संवेदना और शिल्प – डॉ. चंद्रशेखर कर्ण
23. हिंदी के श्रेष्ठ उपन्यास और उपन्यासकार – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
24. हिंदी उपन्यास : वर्ग एवं वर्ण संघर्ष – डॉ. राजेंद्र खैरनार

अनेकान्त एज्युकेशन सोसायटीचे,

तुळजाराम चतुरचंद कला, विज्ञान व वाणिज्य महाविद्यालय, बारामती

एफ.वाय.बी.कॉम. (प्रथम वर्ष वाणिज्य)

पाठ्यक्रम

उद्देश्य :

१. छात्रों मे राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के प्रति अभिरूचि संवर्धित करना ।

२. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कहानिकारों एवं कवियों से परिचित कराना ।

३. छात्रों को काव्य के भाव एवं शिल्पगत सौंदर्य का आस्वाद कराना ।

४. छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन लेखन की क्षमताओं को विकसित करना ।

५. छात्रों को हिंदी शुद्ध लेखन की नियमावली का ज्ञान देकर अशुद्धियों के प्रति सचेत करना ।

६. छात्रों को विविध कार्यालयों तथा बैंक, डाक, रेल में प्रयुक्त हिंदी से परिचित कराना ।

७. छात्रों में व्यावसायिक तथा कार्यालयीन पत्र लेखन की क्षमता विकसित करना ।

८. छात्रों को ई-मेल के संदर्भ में जानकारी देना ।

९. छात्रों को हिंदी में अहवाल लेखन के संदर्भ में परिचित कराना ।

१०. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना ।

अध्यापन पद्धतिः

१. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।

२. भाव के अनुसार गदय तथा पदय का पठ़न ।

३. पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम पर आधारित प्रात्यक्षिक ।

४. विषय वि"ाषज्ञों के व्याख्यान ।

५. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग ।

६. ICT का प्रयोग

पाठ्यपुस्तकें :

१. गद्य परिमल - संपादक : डॉ. सुभाष तळेकर, डॉ. रामचंद्र साळुंके

प्रकाशक - जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

२. पद्य परिमल - संपादक : डॉ. सुभाष तळेकर, डॉ. रामचंद्र साळुंके

प्रकाशक - जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र

पाठ्यविषय :	
इकाई– 1 गद्य	1) परीक्षा (कहानी)–प्रेमचंद 2) हार की जीत (कहानी) –सुद"ान 3)पिता –ज्ञानरंजन 4)प्रेम की बिरादरी (व्यंग्य)–हरी"ांकर परसाई 5)समय नहीं मिला –श्रीमन नारायन अग्रवाल
इकाई– 2 पद्य	1) मुकरी –भारतेंदु हरि"चंद्र 2) एक बूंद–आयोध्यासिंग उपाध्याय 3) मेरा जीवन –सुभद्राकुमारी चौहान 4) प्रार्थना मत कर – हरीव"ाराय बच्चन 5) कलम और तलवार – रामधारी सिंह दिनकर
इकाई– 3 साहित्येत्तरपाठ्यक्रम	अ) प्त्राचार 1) व्यावसायिक पत्र (मांग पत्र एजेंसी लेने के लिए पत्र) 2)बैंकिंग पत्र (ऋण लेने के लिए पत्र खाता खोलने के लिए पत्र) 3)ई मेल लेखन ब) बैंक,रेल,डाक, विभाग से संबधित विभिन्न पर्चीयों की जानकारी और प्रात्यक्षिक कार्य।

द्वितीय सत्र

पाठ्यविषय :	
इकाई– 1 गद्य	1)पहली चूक – (व्यंग निबंध) श्रीलाल शुक्ल 2) वै"वक गांव के व्यापारी (कहानी) –ज्ञान चतुर्वेदी 3) महा"ाूद्र (कहानी) –मोहनदास नैमिशराय 4) अग्निपथ (कहानी) –मालती जो"ाी 5) प्र"नयुग –रमे"ा दवे
इकाई– 2 पद्य	1)जो लक्ष्य है मिलेगा – गिरिराज"ारण अग्रवाल 2) वृंदावन कुसुम अंसल

	3) एक बार फिर आओ जयप्रका"ा कर्दम 4) गुडाई करते समय–एकांत श्रीवास्तव 5) मनुष्यता –अलीक
इकाई– 3 साहित्येत्तरपाठ्यक्रम	अ) विज्ञापन लेखन ब) वृत्तांत लेखन(महाविद्यालय समारोह,सामाजिक समारोह,प्राकृतिक आपदाएँ,दुघर्टनाएँ क) कार्यक्रम संयोजन कौ"ाल–प्रस्तावना,अतिथि परिचय,आभार ज्ञापन, स्वागत (प्रात्यक्षिक कार्य)

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्यिक विधाएँ : सैद्धांतिक पक्ष - डॉ. मधु धवन

२. समकालीन हिंदी कहानी का इतिहास - डॉ. अशोक भाटिया

३. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

४. व्यावहारिक हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया

५. व्यावहारिक हिंदी - ओमप्रकाश पांडेय

६. दलित साहित्य एक मूल्यांकन - प्रो. चमनलाल

७. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी भाषा - डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया / रचना भाटिया

८. भाषा के विविध रूप और अनुवाद - प्रो. कृष्णकुमार गोसावी

९. हिंदी और उसका व्यवहार - डॉ. वसंत मोरे

१०. हिंदी कहानी अंतरंग पहचान - डॉ. रामदरश मिश्र

११. हिंदी कहानी : संरचना और संवेदना - डॉ. साधना शाह

१२. दलित चेतना की कहानियाँ - बदलती परिभाषाएँ - राजमणि शर्मा

१३. समकालीन कहानी का समाजशास्त्र - देवेंद्र चौबे

१४. नये कवि एक अध्ययन - डॉ. संतोषकुमार तिवारी

१५. साठोत्तरी हिंदी कहानियों मे पुरूष चरित्र - डॉ. दीपा मैलारे

१६. राजभाषा हिंदी का प्रयुक्तिपरक विश्लेषण - डॉ. सुषमा कोंडे

१७. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातम आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख

१८. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. मधुकर राठोड

१९. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. गोरख थोरात

प्रश्नपत्र का स्वरुप

प्र १) बहुविक्लपीय प्रश्न–(गदय और पदय पर) 5 प्र"न–5 अंक

प्र २) गदय पर संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न(4 में से २)–10 अंक

प्र ३) पदय पर संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न(4 में से २)–10 अंक

प्र ४)ससंदर्भ व्याख्या

अ) गद्य पर(2 में से १)–05 अंक

आ) पद्य पर(2 में से १)–05 अंक

प्र ५)वाक्य शुद्धीकरण(08 में से ०५)–05 अंक

पाठ्यपुस्तकेत्तर पाठ्यक्रम में से प्रथम सत्र तथा दवितीय सत्र के लिए 10 अंको की **प्रात्यक्षिक परीक्षा रहेगी**